શ્રીગોકુલેશ પાઠશાળા

વર્ષ ૨ વિશેષ અંક ફાગણ વદ ૧૦, ૨૦૬૫

જન્મદિવસ વધાઈ અંક



सब उत्सवको उत्सव आयो ।।

अति प्रफुल्लित आनंद मगन मन छिनछिन बढत सवायो ।। १ ।। जर तारी पाटंबर अंबर ढेरही ढेर लगायो ।। निरमोलिक आभूषण लेले प्रान प्रिय पहेरायो ।। २ ।। काहु कछु अभिलाष न राख्यो जो जाके मन भायो ।। आरति करि करि निरखि निरखि मुख सबको हीयो सीरायो ।। ३ ।। बरस द्योस लों घरघर मंगल साज बनायो ।। वृन्दावन मनोरथ पूरन करि श्रीवल्लभ लाल लड्यायो ।। ४ ।।

सर्व श्रीगोकुलेशचरणशरणानुरागी सेवक-समाज !

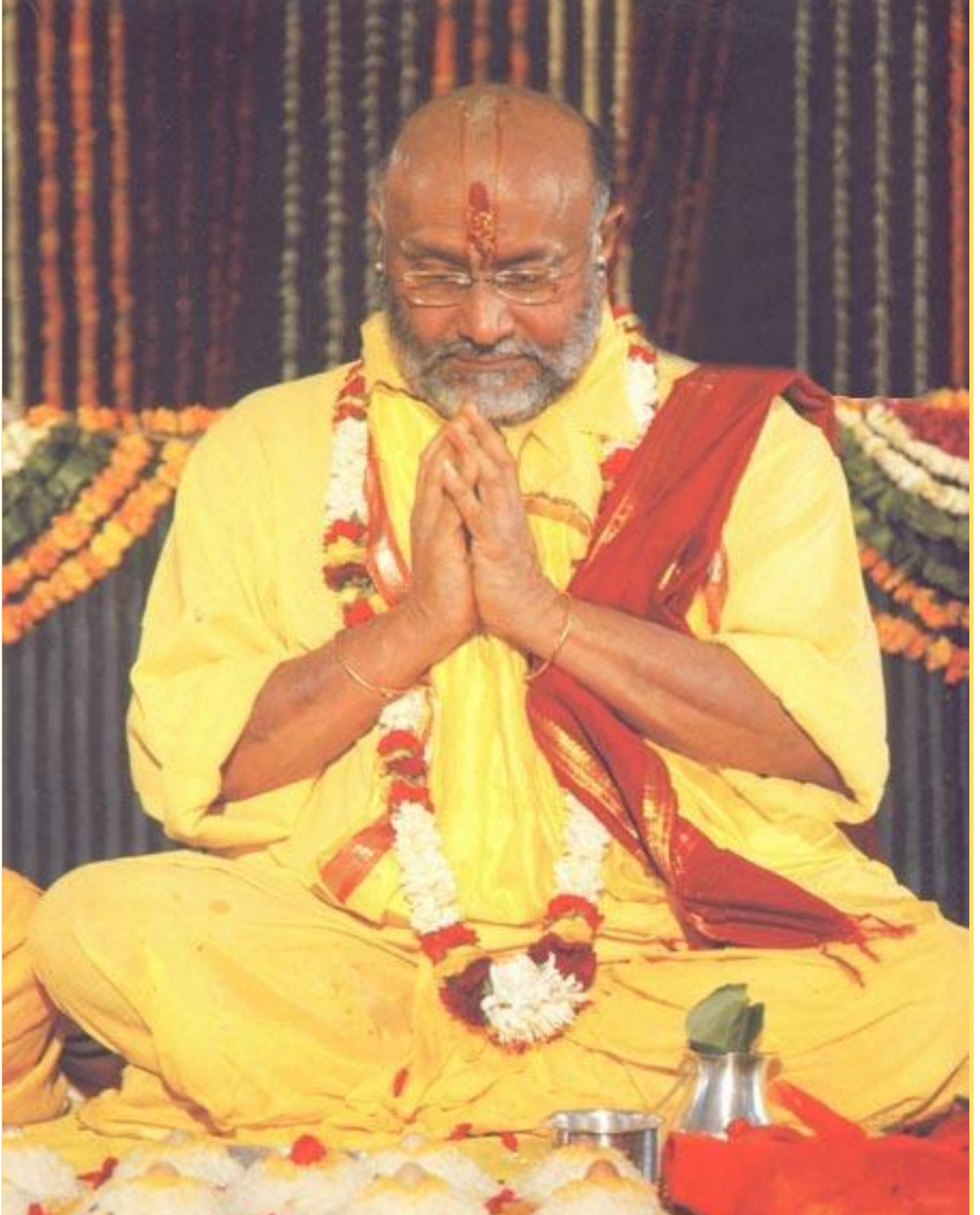
आज अपने श्रीगुरुदेव श्रीचतुर्थपीठाधीश्वर पूज्यचरण गोस्वामी श्रीदेवकीनन्दनाचार्यश्री (श्रीसुरेश बावाश्री)के जन्मदिवस के पर सभी श्रीगोकुलेशचरणशरणानुरागी सेवकोको अनेकानेक बधाई.

राग सारंग :- **प्रकट भये धाम श्रीविठ्ठलाधीशके महा रस सुखद श्रीगोकुलाधीश ।। शुक्ल अगहन सप्तमी वारादि महा शुभ जानि दुखहरन जगदीश ।। १ ।। बजत बाजे सकल सुरन सह बहु भांत देव दुंदुभी बजत हरखतमन ईश ।। करत तहां नृत्य तांडव भांति भेदसों स्तुति करत आये विधि नारद मुनिश ।। २ ।। कुसुम वृष्टि करत पढ़त जयजय नमत सबही देव धरिणी धरणीधर शीश ।। महा-महिमा अतुल शेष नहि पावही पार याको कहा तुच्छ कवि ईश ।। ३ ।। महा यश प्रकट कीनो सकल धरणिपें कीये दृढ भक्ति पथ खंड दंडीश ।। अतुल महिमा कहा तुच्छ मुख कहि शके रसिकको दास तुव शरण मन ईश ।। ४ ।।**

शुभकामना एवं बधाई सह :-

दास गोपाल, जै जै श्रीगोकुलेश परिवार, राजेन्द्रभाइ कड़कीया, यु.एस.ए.

तुर्यपीठं वयं नुमः



श्रीचतुर्थपीठाधीश्वर पूज्यचरण गोस्वामी श्रीदेवकीनन्दनाचार्यश्री

શ્રીગોકુલેશ પાઠશાળા

।। श्रीसुरेशस्तवनम् ।।

नमामि गोकुलाधिपं नमामि गोकुलाधिपम् ।। ध्रुव ।।

आनन्दरूप विग्रहं स्वभक्तताप निग्रहम् ।।
कालिन्दीकुञ्जप्रापकं नमामि राससागरम् ।। १ ।।

प्रमाणरूपद्योतकं प्रमेयरूपगोपकम् ।।
मनोरथान्तपूरकं नमामि भावग्राहकम् ।। २ ।।

निकुञ्जदेशवासिनं लीलास्वरूपधारिणम् ।।
आचार्यवेशशोभकं नमामि देवमद्भुतम् ।। ३ ।।

भजे कुलैकभूषणं सदा निरस्त दूषणम् ।।
सुरेश नाम धारिणं नमामि श्यामवल्लभम् ।। ४ ।।

प्रमाणिकाचतुष्टयं पठन्ति नित्यमेव ये ।।
इहैव कृष्णसेवया हताशुभा भवन्ति ते ।। ५ ।।

।। इति श्रीसुरेशस्तवनं सम्पूर्णम् ।।